AYJNISHD(D)

डॉ. सुमन कुमार
निदेशक
अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई

हिंदी दिवस संदेश

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षार्थियों, विद्यार्थियों और हमारे संस्थान से जुड़े, लाभार्थियों, सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों एवं सभी हितधारकों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम 'हिंदी' है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ-साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है। आज पूरा विश्व हिंदी भाषा की अभिव्यक्ति को पहचान रहा है। भाषा अभिव्यक्ति का साधन और माध्यम होती हैं। हमारी भावनाओं को जब शब्द-देह मिलता है, तो हमारी भावनाएं चिरंजीवी बन जाती हैं और इसलिए भाषा उस शब्द देह का आधार होती है।

हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर, 1949 के उस ऐतिहासिक दिन की याद आना स्वाभाविक है, जब देश के विशाल जनसमूह में हिंदी भाषा के प्रयोग एवं इसकी संपन्नता को देखते हुए, हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया था। हिंदी भारत की राष्ट्रीय एकता का आधार है एवं हमारी अखंडता का प्रतीक भी। हमारा भारत देश भाषायी संस्कृति के लिए दुनिया भर में विख्यात है, भारत के साथ सबसे पहले जिस भाषा का नाम जुडता है, वह हिंदी है।

14 सितंबर, 2024 को मनाए जाने वाले हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हम अपना समस्त सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करेंगे, क्योंकि हिंदी संपर्क स्थापित करने वाली वह कड़ी है जिसके माध्यम से पूरे देश तक अपनी बात पहुंचाई जा सकती है। सरकारी कामकाज में सहज सरल व आसानी से समक्ष में आने वाली हिंदी का प्रयोग किए जाने से हिंदी की स्थिति सुदृढ होगी क्योंकि धीरे-धीरे यह धारणा दृढ़ हो रही है कि एक से अधिक भाषाओं में अपनी बात कह सकने की क्षमता आज के समय की मांग है।

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान में हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रेरक वातावरण बनाने के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और हिंदी के प्रयोग को सूचना तकनीक से जोड़कर व्यावहारिक बनाने का प्रयास करें।

मेरा अली यावर जंग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लें; इसी क्रम में मेरा क्षेत्रीय प्रमुखों व विभागाध्यक्षों के साथ-साथ सीआरसी प्रमुखों से विशेष अनुरोध है कि वे स्वयं हिंदी में कार्य करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करें और हिंदी पखवाड़े के आयोजन को सफल बनाने का प्रयास करें।

शुभकामनाओं के साथ ।

एसडी/-
निदेशक